



PAREEKSHA BAAZ
Institute for CSE Examination

PRELIM POINTERS

6th DEC 2024

For more exam related
videos and guidance,
scan the code to
join our YouTube Channel



For more exam related
material, scan the
code to join our
Telegram Channel



Scan the code
to join our
Instagram Channel





INDEX

SN.	TOPIC
1	नैनोबबल्स क्या हैं?
2	शेस्टेम 2024
3	हीट शॉक प्रोटीन 70 (HSP70)
4	ट्रौएस्सर्टिया थैलासीना और प्रोटेरोथ्रिक्स सिबिला
5	घरचोलस साड़ी
6	विश्व सूखा एटलस
7	अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ
8	होमो जुलुएंसिस क्या है?
9	स्वगृह रेटिंग
10	तिखिर जनजाति

नैनोबबल्स क्या हैं?



अवलोकन:

केंद्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री ने हाल ही में जलीय जानवरों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, दिल्ली के पानी की सफाई और शुद्धिकरण के लिए 'नैनो बबल टेक्नोलॉजी' का शुभारंभ किया।

नैनोबबल्स के बारे में:

- नैनोबबल्स का आकार 70-120 नैनोमीटर होता है , जो नमक के एक दाने से 2500 गुना छोटा होता है।
- इन्हें किसी भी गैस का उपयोग करके बनाया जा सकता है तथा किसी भी तरल में इंजेक्ट किया जा सकता है।
- नैनोबबल्स में अद्वितीय भौतिक और रासायनिक गुण होते हैं और वे अन्य वातन विधियों से बेहतर होते हैं।
- इसलिए, नैनोबबल प्रौद्योगिकी का उपयोग विभिन्न अनुप्रयोगों में किया जाता है , जिसमें जल उपचार, कृषि, जलीय कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं।
- गुण :
 - बड़ा सतही क्षेत्र : नैनोबबल्स में आयतन अनुपात के मुकाबले सतही क्षेत्र अधिक होता है, जिससे पानी के संपर्क में गैस की अधिक मात्रा आ सकती है। यह, उनके छोटे आकार और उच्च उछाल के कारण पानी में निलंबित रहने की उनकी क्षमता के साथ मिलकर, गैस और पानी के चरणों के बीच गैस हस्तांतरण दक्षता में वृद्धि करता है।
 - ब्राउनियन गति: नैनोबबल्स पानी में लंबे समय तक रहते हैं। यह अनूठी विशेषता नैनोबबल्स को पानी के पूरे शरीर में ऑक्सीजन का एक समान वितरण प्रदान करने में सक्षम बनाती है और घुलित ऑक्सीजन का स्तर बहुत लंबे समय तक बनाए रखा जाता है।
 - उच्च ऑक्सीजन स्थानांतरण दक्षता: नैनोबबल बहुत बड़े सतह क्षेत्र और उनके ब्राउनियन गति के कारण पानी में ऑक्सीजन को कुशलतापूर्वक वितरित कर सकते हैं। नैनोबबल के साथ ऑक्सीजन स्थानांतरण दक्षता लगभग 90% तक पहुँच जाती है।



- **सतही आवेश** : नैनोबबल में एक मजबूत सतही आवेश होता है। यह ऋणात्मक आवेश फ्लोटिंग प्रक्रिया में पृथक्करण दक्षता में सुधार करता है। यह विशेषता अपशिष्ट जल, तेल और गैस ऑपरेटर्स में पारंपरिक तरीकों की तुलना में अधिक निलंबित पदार्थ को तैराती है।
- **लाभ** : नैनोबबल्स के विभिन्न अंतर्निहित भौतिक गुणों के कारण, गैस को तरल में स्थानांतरित करने की क्षमता बहुत अधिक है, और इस प्रकार इसके निम्नलिखित लाभ हैं।
 - **उन्नत जल उपचार**: नैनोबबल्स जल से कार्बनिक प्रदूषकों, बैक्टीरिया और अन्य संदूषकों को प्रभावी ढंग से हटा सकते हैं।
 - **अधिक कुशल सफाई**: नैनोबबल्स सतह के छिद्रों और दरारों में प्रवेश कर सकते हैं, और अधिक गहन सफाई प्रदान करते हैं जो जिद्दी गंदगी और मैल के खिलाफ प्रभावी है।
 - **उन्नत कृषि और जलीय कृषि**: पौधों और जलीय जीवों को ऑक्सीजन नैनोबबल्स की आपूर्ति करके उनकी वृद्धि, स्वास्थ्य और तन्यकता में सुधार किया जा सकता है। नैनोबबल्स पोषक तत्वों के अवशोषण को भी बढ़ा सकते हैं, कीटनाशकों और अन्य रसायनों की आवश्यकता को कम कर सकते हैं और फसल की पैदावार में सुधार कर सकते हैं।
 - **उन्नत तेल एवं गैस पुनर्प्राप्ति**: नैनोबबल्स तरल पदार्थ के प्रवाह में सुधार करके और प्रक्रिया में आवश्यक रसायनों की मात्रा को कम करके तेल एवं गैस पुनर्प्राप्ति की दक्षता को बढ़ा सकते हैं।
 - **त्वचा और बालों के स्वास्थ्य में सुधार** : नैनोबबल्स त्वचा देखभाल उत्पादों के अवशोषण को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं, जिससे त्वचा स्वस्थ रहती है।

प्रश्न 1 : ब्राउनियन गति क्या है?

ब्राउनियन गति किसी द्रव (तरल या गैस) में निलंबित कणों की यादृच्छिक गति है जो गैस या तरल में तेज़ गति से चलने वाले परमाणुओं या अणुओं से टकराने के परिणामस्वरूप होती है। इसे सबसे पहले स्कॉटिश वनस्पतिशास्त्री रॉबर्ट ब्राउन (1773-1858) ने देखा था; 1827 में हुई इस अप्रत्याशित खोज ने विज्ञान की कई शाखाओं, जिनमें द्रव भी शामिल हैं, में कई महत्वपूर्ण विकासों को जन्म दिया है।



शेस्टेम 2024



अवलोकन:

नीति आयोग के अंतर्गत अटल नवाचार मिशन (एआईएम) और स्वीडन दूतावास में विज्ञान एवं नवाचार कार्यालय को शीस्टेम 2024 के सफल समापन की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

शीस्टेम 2024 के बारे में:

- शीस्टेम (SheSTEM) अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) और स्वीडन दूतावास के विज्ञान एवं नवाचार कार्यालय द्वारा आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है।
- यह STEM में महिलाओं के योगदान का जश्न मनाता है और युवा दिमागों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) में करियर तलाशने के लिए प्रोत्साहित करके अगली पीढ़ी के नवप्रवर्तकों को प्रेरित करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है।
- शीस्टेम 2024 चुनौती में भारत भर के कक्षा 6-12 के छात्रों को बैटरी प्रौद्योगिकी और ऊर्जा भंडारण (बेस्ट) प्रणालियों पर केंद्रित नवीन विचार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- भारत-नॉर्डिक बेस्ट परियोजना के भाग के रूप में, इस चुनौती का उद्देश्य ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाकर स्थिरता को बढ़ावा देना है।
- प्रतिभागियों को दो मिनट के वीडियो प्रारूप में ऊर्जा भंडारण और स्थिरता के लिए अपने प्रोटोटाइप या अवधारणाएं प्रस्तुत करने का कार्य सौंपा गया था।
- प्रतियोगिता को असाधारण प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 1000 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें भारत के युवाओं की रचनात्मकता, समस्या-समाधान कौशल और अग्रगामी सोच का प्रदर्शन किया गया।
- SheSTEM 2024 ने छात्रों को महत्वपूर्ण STEM विषयों से जुड़ने और वैश्विक स्थिरता प्रयासों में योगदान करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के बारे में मुख्य तथ्य:

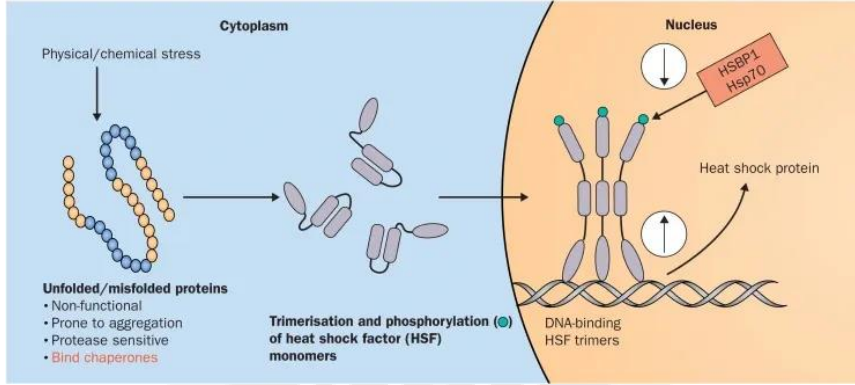


- एआईएम 2016 में नीति आयोग द्वारा स्थापित एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य स्कूलों, शैक्षिक संगठनों, **अनुसंधान संस्थानों और एमएसएमई सहित उद्योगों में नवाचार और उद्यमशीलता** का माहौल बनाना और प्रोत्साहित करना है।
- AIM के दो कार्य हैं:
 - नवप्रवर्तकों को वित्तीय सहायता के साथ-साथ मार्गदर्शन के माध्यम से उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करके उद्यमशीलता को बढ़ावा देना।
 - एक ऐसा मंच बनाकर नवाचार को बढ़ावा दें जहां समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के माध्यम से विचार उत्पन्न हों।
- एआईएम ने इन कार्यों के समर्थन के लिए **चार कार्यक्रम** बनाए हैं :
- **अटल टिकरिंग लैब्स**
- **अटल इन्क्यूबेशन केंद्र**
- **अटल न्यू इंडिया चुनौतियां और अटल ग्रैंड चुनौतियां**
- **मेंटर इंडिया**
 - इन कार्यक्रमों के अलावा, एआईएम नवाचार का माहौल बनाने के लिए **शिक्षाविदों, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों और व्यक्तियों के साथ सहयोग भी करता है।**
- वर्तमान में एआईएम की **सभी पहलों की निगरानी और प्रबंधन वास्तविक समय एमआईएस प्रणालियों और गतिशील डैशबोर्ड का उपयोग करके व्यवस्थित रूप से किया जाता है।**

प्रश्न 1 : अटल टिकरिंग लैब्स क्या हैं?

अटल टिकरिंग लैब्स स्कूलों में स्थापित अत्याधुनिक स्थान हैं, जिसका लक्ष्य इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 3डी प्रिंटिंग, रैपिड प्रोटोटाइपिंग टूल्स, रोबोटिक्स आदि जैसे उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के माध्यम से देश भर में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के युवा मस्तिष्कों में जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा देना है।

हीट शॉक प्रोटीन 70 (HSP70)



अवलोकन:

जेएनयू के स्पेशल सेंटर फॉर मॉलिक्यूलर मेडिसिन की टीम ने मानव प्रोटीन, एचएसपी70 की पहचान मलेरिया और कोविड-19 जैसी बीमारियों के प्रसार में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में की है।

हीट शॉक प्रोटीन 70 (एचएसपी70) के बारे में:

- एचएसपी70 एक प्रकार का **आणविक चैपरोन** है, जो एक प्रोटीन है जो अन्य प्रोटीनों को उनके उचित आकार में मोड़ने में मदद करने और गलत आकार में मुड़ने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह **प्रोटीन संश्लेषण को विनियमित करने** और प्रोटीन को तनाव से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह **कोशिकीय तनाव के समय बढ़** जाता है और कोशिकाओं को आगे के आघात से बचाने में मदद करता है।
- **मानव शरीर में भूमिका:** इसने **प्रोटीन फोल्डिंग, प्रोटीन एकत्रीकरण को रोकने और झिल्ली के पार प्रोटीन के परिवहन** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन कार्यों ने HSP को प्रोटीन होमियोस्टेसिस और कोशिका अस्तित्व के विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बनाया।
- कोशिका तनाव की स्थिति में, जिसमें **पर्यावरणीय** (अर्थात, उच्च तापमान, ऑक्सीडेटिव तनाव और भारी धातु का संपर्क), **जैविक** (अर्थात, कोशिका प्रसार और विभेदन), और **रोगात्मक** (अर्थात, सूजन और ट्यूमर वृद्धि) तनाव शामिल हैं, एचएसपी बढ़ जाता है,

शोध के मुख्य बिंदु

- टीम ने पाया कि Hsp70, SARS-CoV-2 के **स्पाइक प्रोटीन** - कोविड-19 के लिए जिम्मेदार वायरस - और मानव ACE2 रिसेप्टर्स के साथ अंतःक्रिया करता है, जिसका उपयोग वायरस कोशिकाओं में प्रवेश करने के लिए करता है।
- उन्होंने अनुमान लगाया कि बुखार के दौरान, Hsp70 का स्तर बढ़ता है और इस अंतःक्रिया को स्थिर करने में मदद करता है, जिससे वायरस के लिए कोशिकाओं को संक्रमित करना आसान हो जाता है। Hsp70 को बाधित करके, उन्होंने प्रयोगशाला परीक्षणों में वायरल प्रतिकृति को सफलतापूर्वक अवरुद्ध कर दिया।
- शोध से पता चलता है कि Hsp70 को लक्ष्य करने से **दवा प्रतिरोध को रोकने में मदद मिल सकती है**, जो संक्रमण के उपचार में एक बढ़ती हुई समस्या है।



प्रश्न 1: प्रोटीन क्या है?

यह एक प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला, अत्यंत जटिल पदार्थ है जिसमें पेप्टाइड बॉन्ड द्वारा जुड़े अमीनो एसिड अवशेष होते हैं। प्रोटीन सभी जीवित जीवों में मौजूद होते हैं और इनमें एंजाइम, हार्मोन और एंटीबॉडी जैसे कई आवश्यक जैविक यौगिक शामिल होते हैं।



ट्रौएसर्टिया थैलासीना और प्रोटेरोथ्रिक्स सिबिला



अवलोकन:

मेघालय के उपोष्णकटिबंधीय जंगलों में रोमानियाई नेतृत्व वाली एक अनुसंधान टीम ने पंख वाले माइट की दो पहले से अज्ञात प्रजातियों की खोज की है, जिनके नाम हैं ट्रौएसर्टिया थैलासीना और प्रोटेरोथ्रिक्स सिबिला।

ट्रौएसर्टिया थैलासीना और प्रोटेरोथ्रिक्स सिबिला के बारे में:

- इन घुनों की पहचान वर्डीटर फ्लाइकैचर (यूमियास थैलासिनस) और स्मॉल निल्टावा (निल्टावा मैकग्रिगोरिया) पर की गई, जो पूर्वी खासी हिल्स जिले की दो मूल पक्षी प्रजातियां हैं।
- ट्रौएसर्टिया थैलासीना अपने नर में अर्ध-अंडाकार टर्मिनल लैमेली और लांसोलेट सेटे के लिए उल्लेखनीय है, जबकि मादाएं अद्वितीय गैर-स्केलेरोटाइज्ड लैकुने प्रदर्शित करती हैं।
- इस बीच, प्रोटेरोथ्रिक्स सिबिली, जो कि वोल्फफी प्रजाति समूह का हिस्सा है, अपने बड़े आकार, प्रोडोर्सल शील्ड पर गोलाकार लैकुने और विशिष्ट नर जननांग संरचनाओं के कारण अलग पहचान रखता है।
- ट्रौएसर्टिया थैलासीना : इसका नाम वर्डीटर फ्लाइकैचर के नाम पर रखा गया है , जिसके समुद्री-हरे रंग के पंखों से लैटिन शब्द थैलासिना की प्रेरणा मिली है, जिसका अर्थ है "समुद्री-हरा।"
- प्रोटेरोथ्रिक्स सिबिली : मारिया सिबिला मेरियन को सम्मानित करते हुए , जो एक अग्रणी जर्मन प्रकृतिवादी थीं और कीट वर्गीकरण में अपने अग्रणी कार्य और उनके सूक्ष्म वैज्ञानिक चित्रण के लिए जानी जाती थीं।

पंख माइट क्या हैं?

- पंख वाले माइट सूक्ष्म अरचिन्ड होते हैं जो पक्षियों के पंखों में रहते हैं तथा तेल , त्वचा के टुकड़े और कार्बनिक मलबे पर भोजन करते हैं।
- आमतौर पर , वे अपने पक्षी मेजबानों के साथ सहजीवी संबंध बनाए रखते हैं , जिससे पंखों को स्वच्छ और स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।
- हालांकि, तनाव के कारण वे परजीवी बन सकते हैं , जिससे जलन या पंखों को नुकसान हो सकता है।



- विश्व भर में पाए जाने वाले पंख-घुन पक्षियों के बीच निकट संपर्क के माध्यम से स्थानांतरित होते हैं , विशेष रूप से घोंसले के निर्माण के दौरान।

प्रश्न 1 : एराक्निड्स क्या हैं?

अरचिन्ड्स जानवरों का एक समूह है जो आर्थ्रोपोडा फाइलम के चेलिसेराटा उपफाइलम से संबंधित है। ये अकशेरुकी जोड़दार पैर वाले होते हैं और इनकी एक अलग विशेषता होती है कि इनमें आठ पैर होते हैं, हालांकि कुछ प्रजातियों में, सामने की जोड़ी का उपयोग संवेदी उद्देश्यों के लिए किया जाता है। कुछ प्रजातियों में उपांग भी होते हैं जो इतने बड़े हो गए हैं कि उन्हें पैरों की एक और जोड़ी समझ लिया जाता है। मकड़ियाँ 40,000 प्रजातियों के साथ अरचिन्डा वर्ग में सबसे अधिक आबादी वाली हैं, इसके साथ ही सॉलिफ्यूज (900 प्रजातियाँ), माइट्स (32,000 प्रजातियाँ), बिच्छू (2,000 प्रजातियाँ), टिक्स (12,000 प्रजातियाँ) और हार्वेस्टमैन (6,300 प्रजातियाँ) भी हैं।



घरचोलस साड़ी



अवलोकन:

हाल ही में गुजरात के 'घरचोलों' को भौगोलिक संकेत टैग प्राप्त हुआ।

घरचोलस साड़ी के बारे में:

- इसे घाटचोला और घरचोलू के नाम से भी जाना जाता है, जिसमें गुजरात का बेहतरीन बंधनी काम है
- गुजराती शादियों में इसका प्रयोग पारंपरिक रूप से वर्षों से होता आ रहा है।
- 'घरचोला' नाम का अर्थ है 'घर के लिए पोशाक', जो नवविवाहित दुल्हन के अपने नए घर में शामिल होने का प्रतीक है।
- विशेषताएँ
 - इसे रेशमी या जरी के धागों का उपयोग करके सूती या रेशमी कपड़े पर बड़े आकार में बुना जाता है।
 - इसे आगे बांधनी या टाई एंड डाई तकनीक में रंगा जाता है। ये चेकर्ड पैटर्न मोर, कमल, मानव आकृतियों और पुष्प डिजाइनों के छोटे सुनहरे रूपांकनों से भरे होते हैं।
 - इन्हें पारंपरिक रूप से लाल, मैरून, हरा और पीले जैसे शुभ रंगों में तैयार किया जाता है, जो हिंदू रीति-रिवाजों में विशेष महत्व रखते हैं।
 - 12 वर्गों वाली घरचोला साड़ी को 'बार बाग' के नाम से जाना जाता है, जबकि 52 वर्गों वाली घरचोला साड़ी को 'बावन बाग' के नाम से जाना जाता है।
 - डिजाइनों में अक्सर उर्वरता और समृद्धि के प्रतीक शामिल होते हैं, जैसे कलश और पान।
 - हाल के दिनों में बुनकर अपने घरचोलों में आधुनिक डिजाइन और तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं, जिससे परंपरा और समकालीन आकर्षण का मिश्रण हो रहा है।
- घरचोला साड़ियां गुजरात के कारीगरों के पीढ़ी दर पीढ़ी समूहों से प्राप्त की जाती हैं, जो सदियों से इस जटिल शिल्प को संरक्षित और आगे बढ़ाते आ रहे हैं।
- यह गुजरात को प्राप्त **27वां जीआई टैग है।**

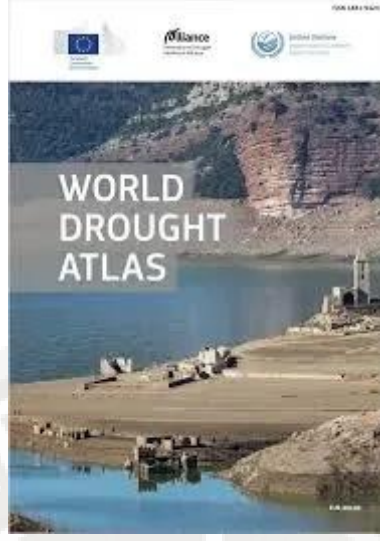


प्रश्न 1: भौगोलिक संकेत (जीआई टैग) क्या है?

ये ऐसे चिह्न हैं जिनका उपयोग उन उत्पादों पर किया जाता है जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है और जिनमें उस उत्पत्ति स्थान के लिए विशिष्ट गुण, प्रतिष्ठा या विशेषताएँ होती हैं। जीआई टैग बौद्धिक संपदा अधिकारों के रूप में कार्य करते हैं जो किसी उत्पाद के अद्वितीय भौगोलिक स्रोत की पहचान करते हैं, कानूनी सुरक्षा प्रदान करते हैं और अनधिकृत उपयोग को रोकते हैं।



विश्व सूखा एटलस



अवलोकन:

विश्व सूखा एटलस के अनुसार 2050 तक लगभग 75 प्रतिशत आबादी सूखे से प्रभावित होगी।

विश्व सूखा एटलस के बारे में:

- इसे मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीसीडी) द्वारा यूरोपीय आयोग संयुक्त अनुसंधान केंद्र के सहयोग से शुरू किया गया था।
- इसमें बताया गया है कि किस प्रकार सूखे का बढ़ता जोखिम मानवीय गतिविधियों से जुड़ा है और फिर इसमें पांच प्रमुख क्षेत्रों - जल आपूर्ति, कृषि, जल विद्युत, अंतर्देशीय नौवहन और पारिस्थितिकी तंत्र - पर सूखे के प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई है।
- इसमें विश्व भर से 21 केस स्टडीज को शामिल किया गया है, जो इस बात पर जोर देता है कि कोई भी देश - चाहे उसका आकार, जीडीपी या अक्षांश कुछ भी हो - सूखे से अछूता नहीं है और सभी देश इसके लिए बेहतर तैयारी कर सकते हैं।
- इसमें प्रणालीगत सूखा जोखिमों को प्रबंधित करने, कम करने और अनुकूलन के लिए ठोस उपायों और मार्गों का वर्णन किया गया है; विभिन्न क्षेत्रों के लिए इन कार्यों के सह-लाभों को रेखांकित किया गया है; और विभिन्न क्षेत्रों की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित किया गया है।
- एटलस में दर्शाए गए उपाय तीन श्रेणियों में आते हैं:
 - शासन (जैसे पूर्व चेतावनी प्रणाली, छोटे किसानों के लिए सूक्ष्म बीमा, जल उपयोग के लिए मूल्य निर्धारण योजनाएं);
 - भूमि उपयोग प्रबंधन (जैसे भूमि पुनर्स्थापन और कृषि वानिकी);
 - जल आपूर्ति एवं उपयोग का प्रबंधन (जैसे अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग, प्रबंधित भूजल पुनर्भरण एवं संरक्षण)

प्रश्न 1: मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन क्या है?

यह पर्यावरण और विकास को संधारणीय भूमि प्रबंधन से जोड़ने वाला एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है। यह सम्मेलन शुष्क, अर्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों को संबोधित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, जहाँ कुछ सबसे कमजोर पारिस्थितिकी तंत्र और लोग पाए जा सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ



अवलोकन:

हाल ही में, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) को सऊदी अरब के रियाद में अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा एसोसिएशन (आईएसएसए) द्वारा आयोजित एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा फोरम (आरएसएसएफ एशिया-पैसिफिक) में अपने मोबाइल एप्लिकेशन (आस्क एन अप्वाइंटमेंट - एएए+) के लिए निर्णायक मंडल से विशेष उल्लेख के साथ एक योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा एसोसिएशन के बारे में:

- इसकी स्थापना 1927 में **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन** (ILO) के तत्वावधान में की गई थी।
- यह सामाजिक सुरक्षा संगठनों, सरकारों और सामाजिक सुरक्षा विभागों के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन है।
- यह पेशेवर दिशा-निर्देशों, विशेषज्ञ ज्ञान, सेवाओं और समर्थन के माध्यम से **सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है**, ताकि इसके सदस्य गतिशील सामाजिक सुरक्षा प्रणालियां विकसित करने में सक्षम हो सकें।
- **शासन**
 - **आम सभा:** यह वास्तव में एसोसिएशन की संविधान सभा है और सर्वोच्च वैधानिक निकाय है। इसमें **ISSA के सभी सदस्य शामिल होते हैं जिनका** प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व होता है। इसकी बैठक **हर तीन साल में होती है**।
 - **परिषद:** यह **संघ का निर्वाचित निकाय** है, जो प्रत्येक देश के नाममात्र प्रतिनिधियों से बना होता है, जिसमें ISSA का कम से कम एक संबद्ध सदस्य होता है, तथा इनमें से प्रत्येक देश का एक नाममात्र प्रतिनिधि होता है।
 - **ब्यूरो:** यह एसोसिएशन का **प्रशासनिक प्राधिकरण** है, जिसमें ISSA के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, महासचिव और विश्व के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचित सदस्य शामिल हैं।
 - **नियंत्रण आयोग:** यह **एसोसिएशन के वित्तीय अभिलेखों** और कोषाध्यक्ष द्वारा ब्यूरो को प्रस्तुत वार्षिक रिपोर्ट और विवरणों की जांच करता है, तथा सत्यापित करता है कि सभी वित्तीय लेनदेन वित्तीय विनियमों के अनुरूप किए गए हैं।
- भारत इस संगठन का **सदस्य देश है**
- **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विटजरलैंड

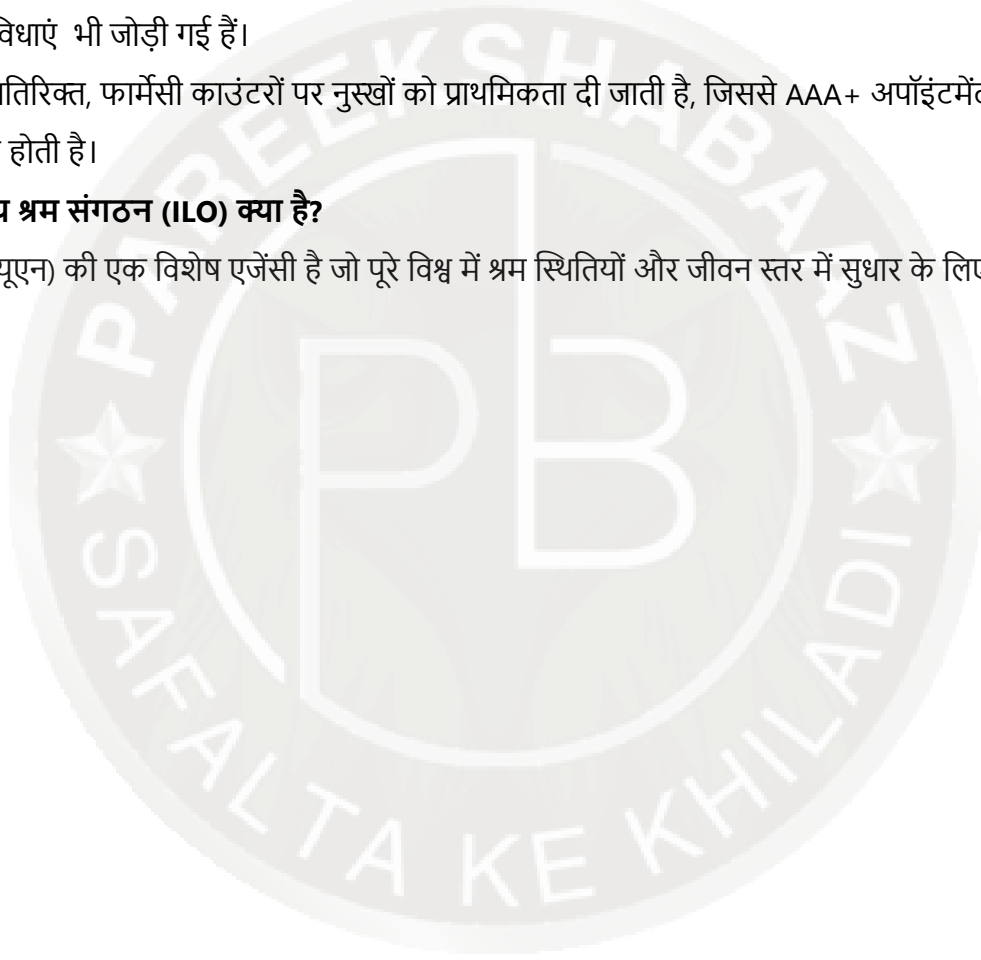


अपॉइंटमेंट पूछें ऐप के बारे में मुख्य तथ्य

- यह बीमाकृत व्यक्तियों, लाभार्थियों, कर्मचारियों और ईएसआई पेंशनभोगियों को सेवा प्रदान करता है, और **अंग्रेजी, हिंदी और छह क्षेत्रीय भाषाओं सहित 8 भाषाओं में उपलब्ध है।**
- इसे स्वास्थ्य सेवाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, यह ऐप उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक करने, कतार में इंतजार किए बिना चेक-इन करने और अपने ई-स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुंचने की सुविधा देता है।
- **लाभार्थियों के लिए आधार सीडिंग**, घर से नमूना संग्रह अनुरोध और विभिन्न ईएसआई लाभों के लिए पात्रता जांच जैसी अन्य सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं।
- इसके अतिरिक्त, फार्मसी काउंटरों पर नुस्खों को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे AAA+ अपॉइंटमेंट के लिए कुशल सेवा सुनिश्चित होती है।

प्रश्न 1: अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) क्या है?

यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक विशेष एजेंसी है जो पूरे विश्व में श्रम स्थितियों और जीवन स्तर में सुधार के लिए समर्पित है।



होमो जुलुएंसिस क्या है?



अवलोकन:

शोधकर्ताओं ने प्राचीन मानव की एक नई प्रजाति की पहचान की है, जिसका नाम उन्होंने होमो जुलुएंसिस रखा है, जिसका अर्थ है "बड़ा सिर", जो आंशिक रूप से चीन में पाई गई एक बहुत बड़ी खोपड़ी पर आधारित है।

होमो जुलुएंसिस के बारे में:

- यह प्राचीन मानव की एक नई प्रजाति है जिसकी खोपड़ी बहुत बड़ी है।
- "बड़े सिर वाले लोग" के नाम से जानी जाने वाली यह प्रजाति 300,000 वर्ष पहले रहती थी और लगभग 50,000 वर्ष पहले लुप्त होने से पहले पूर्वी एशिया में छोटे-छोटे समूहों में जीवित रहती थी।
- होमो जुलुएंसिस में डेनिसोवंस जैसे रहस्यमय समूह शामिल हैं - प्राचीन मानव संबंधी जिनके इतिहास को अभी भी खोजा जा रहा है।
- एच. जुलुएंसिस से संबंधित जीवाश्म, जिनमें मुख्य रूप से चेहरे और जबड़े के अवशेष शामिल हैं, निएंडरथल की याद दिलाने वाली दंत विशेषताएं प्रदर्शित करते हैं।
- प्रारंभिक मापों से पता चलता है कि उनके मस्तिष्क का आकार होमो सेपियंस की तुलना में 30% तक बड़ा था।
- वे छोटे-छोटे समूहों में जंगली घोड़ों का शिकार करते थे, तथा जीवित रहने के लिए पत्थर के बर्तन और संभवतः जानवरों की खाल बनाते थे।

निएंडरथल के बारे में मुख्य तथ्य:

- वे आधुनिक मानव के विलुप्त रिश्तेदार थे जो कभी यूरोप से होते हुए मध्य और दक्षिण-पश्चिम एशिया तक पाए जाते थे।
- प्रजातियाँ: निएंडरथल मानव
- वे हमारे सबसे करीबी विलुप्त मानव रिश्तेदार हैं।
- जीवाश्मों और डीएनए दोनों से प्राप्त वर्तमान साक्ष्यों से पता चलता है कि निएंडरथल और आधुनिक मानव वंश कम से कम 500,000 वर्ष पहले अलग हो गए थे।
- ऐसा माना जाता है कि निएंडरथल की अंतिम आबादी लगभग 40,000 वर्ष पहले समाप्त हो गई थी, जो कि आधुनिक मानव की लहर के यूरोप में अधिक गहराई तक प्रवास करने के लगभग कई हजार वर्ष बाद की बात है।



- यद्यपि वे बहुत पहले विलुप्त हो चुके हैं, फिर भी उनके जीन आधुनिक मानव डीएनए में अभी भी मौजूद हैं ।

प्रश्न 1 : डेनिसोवैन कौन है?

डेनिसोवन होमिनिड की एक विलुप्त प्रजाति है और आधुनिक मनुष्यों के करीबी रिश्तेदार हैं। वे मानव परिवार के पेड़ में हाल ही में शामिल हुए हैं - वैज्ञानिकों ने पहली बार 2010 में साइबेरिया की एक गुफा से डेनिसोवन अवशेषों की पहचान की थी। डेनिसोवन साइबेरिया और तिब्बत के ठंडे पहाड़ों से लेकर पिछले हिमयुग के दौरान दक्षिण पूर्व एशिया के जंगलों तक कई तरह के क्षेत्रों और परिस्थितियों में रहते थे। डीएनए साक्ष्य से पता चलता है कि डेनिसोवन निएंडरथल और आधुनिक मनुष्यों दोनों से संबंधित हैं, और दोनों के साथ संभोग कर सकते हैं।



स्वगृह रेटिंग



अवलोकन:

हाल ही में, बिहार के कालूघाट स्थित भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के इंटरमॉडल टर्मिनल (आईएमटी) को गृह परिषद से पांच सितारा स्वगृह रेटिंग प्राप्त हुई है।

स्वगृह रेटिंग

- SVAGRIHA रेटिंग जिसका अर्थ है सरल बहुमुखी किफायती GRIHA - [एकीकृत आवास मूल्यांकन \(GRIHA\) के लिए ग्रीन रेटिंग के](#) तहत हरित भवनों और स्थिरता की अवधारणा का समर्थन करता है।
- यह एक **मार्गदर्शन-सह-रेटिंग प्रणाली** है जिसे आवासों, वाणिज्यिक कार्यालयों, मोटलों, औषधालयों, स्कूलों आदि जैसी छोटी एकल इमारतों के लिए विकसित किया जा रहा है।
- इसे इन छोटे विकासों के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद करने के लिए विकसित किया गया है।
- **रेटिंग प्रणाली**
 - यह केवल उन परियोजनाओं पर लागू होगा जिनका निर्मित क्षेत्रफल 2500 वर्ग मीटर से कम है।
 - रेटिंग प्रणाली में 14 मानदंड हैं।



- **मानदंड:** मानदंडों को 5 व्यापक उप-समूहों में विभाजित किया गया है : वास्तुकला और ऊर्जा, जल और अपशिष्ट, सामग्री, परिदृश्य और जीवन शैली।
- प्रत्येक उप-समूह के अंतर्गत कुछ निश्चित बिंदुओं को प्राप्त करना अनिवार्य होगा। एक परियोजना द्वारा प्राप्त किए जा सकने वाले कुल अंक 50 हैं।
- रेटिंग 1-5 स्टार स्केल पर की जाएगी।
- इसे मार्गदर्शक मापदंडों के साथ एक सरल ऑनलाइन टूल के रूप में डिजाइन किया गया है, जो SVAGRIHA के संबंध में परियोजना के प्रदर्शन का मूल्यांकन सरल, समझने में आसान तरीके से करेगा।

कालूघाट इंटरमॉडल टर्मिनल के बारे में मुख्य तथ्य

- यह राष्ट्रीय जलमार्ग 1 - गंगा नदी की क्षमता वृद्धि के लिए भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूआई) द्वारा किए गए कई बुनियादी ढाँचागत हस्तक्षेपों में से एक है।
- टर्मिनल के निर्माण के दौरान फाइबर, पुनर्चक्रणीय ग्लास, पेंट, सैनिटरी फिक्सचर आदि जैसी पुनर्चक्रणीय सामग्रियों के उपयोग को सुनिश्चित करके पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों के लिए इसे पांच सितारा रेटिंग प्राप्त हुई है।

प्रश्न 1: GRIHA रेटिंग प्रणाली क्या है?

यह एकीकृत आवास मूल्यांकन के लिए ग्रीन रेटिंग का संक्षिप्त रूप है। GRIHA एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है - 'निवास'। यह एक रेटिंग टूल है जो लोगों को कुछ राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बेंचमार्क के आधार पर अपनी इमारत के प्रदर्शन का आकलन करने में मदद करता है।

तिखिर जनजाति



अवलोकन:

ऐतिहासिक रूप से पहली बार, नागालैंड की तिखिर जनजाति ने चल रहे 25वें हॉर्नबिल महोत्सव 2024 के तीसरे दिन अपना पहला लॉग ड्रम खींचने का समारोह आयोजित किया।

तिखिर जनजाति के बारे में:

- तिखिर जनजाति पूर्वोत्तर भारतीय राज्य नागालैंड में पाई जाने वाली स्वदेशी नागा जनजातियों में से एक है।
- कुछ लोग सीमा पार म्यांमार में रहते हैं।
- वे नागा यिमचुंगरू नामक भाषा बोलते हैं, जो अधिकांश नागा भाषाओं की तरह तिब्बती-बर्मी भाषा परिवार का हिस्सा है।
- एक समय में, तिखिर लोग शिकार के शौकीन थे और किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा उसके द्वारा मारे गए शत्रुओं की संख्या पर निर्भर करती थी।
- वे कृषि और शिकार से अपनी आजीविका चलाते हैं।
- चूंकि तिखिर नागालैंड की एक छोटी जनजाति है, इसलिए कुछ बड़ी जनजातियां उन्हें परेशान करती हैं।
- मान्यताएं:
 - नागालैंड में ईसाई मिशनरियों के आने के साथ ही अधिकांश तिखिर ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए।
 - कई तिखिर लोग ईसाई धर्म के साथ लोक धर्म के तत्वों का भी पालन करते हैं।
- "त्सोंगलाकनी" मुख्य तिखिर त्यौहार है, जो हर साल 9 से 12 अक्टूबर तक मनाया जाता है। यह मूल रूप से शील्ड के पवित्रीकरण का त्यौहार है।

प्रश्न 1 : नागा कौन हैं?

नागा पहाड़ी लोग हैं जिनकी अनुमानित संख्या लगभग 2.5 मिलियन है (नागालैंड में 1.8 मिलियन, मणिपुर में 0.6 मिलियन और अरुणाचल प्रदेश में 0.1 मिलियन) और वे भारतीय राज्य असम और बर्मा के बीच सुदूर और पहाड़ी देश में रहते हैं। बर्मा में भी नागा समूह हैं। नागा सोलह मुख्य जनजातीय समूहों में विभाजित हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना नाम और अलग भाषा है।